

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम The Hindustan Times
दिनांक 16.9.2019 पृष्ठ सं. कॉलम

Finnish company Fortum joins hands with HAU to create fiber from paddy straw



Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar which is dedicated to the upliftment of the farmers community has taken one more initiative by signing an MoU with Fortum India, a leading clean-energy company that provides its customers with electricity, heating and cooling as well as smart solutions to improve resource efficiency. The MoU was signed in the presence of professor K. P. Singh, vice-chancellor, CCSHAU, Hisar. On behalf of Fortum India Pvt. Ltd, Sanjay Aggarwal, managing director and on behalf of CCSHAU, director of research, Dr. S. K. Sehrawat signed the documents.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब के सरी
दिनांक १९. ९. २०१७ पृष्ठ सं. ५ कॉलम १८

माऊंट यूनम पर की 20600 फीट की चढ़ाई

विश्वविद्यालय पहुंचने पर पर्वतारोही दल के सदस्यों का किया स्वागत

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का एक 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहोल घाटी में स्थित माऊंट यूनम (20600 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डा. डी. एम. दहिया ने दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र बनते ही हैं विजय होने के लिए और पूरे विश्वभर की ऊँचाइयां में परवम लहरने के लिए।

विश्वविद्यालय के मार्केटेंटिंग बलब के अध्यक्ष डा. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल येहतांग पास व बागलाचा पास की मनमोहक बादियों से गुजरते हुए लाहोल घाटी स्थित भरतपुर टैट क्लोनी पहुंचा। दल का



पर्वतारोही अभियान दल के सदस्य घोटी पर तिरंगा व अपने विश्वविद्यालय का झंडा फहराने के बाद।

प्रबंधन पीएच.डी. छात्र विक्रम शिखल और मोहित चौधरी ने किया।

उन्होंने अपने मिशन को शुरूआत 4700 मी. की ऊँचाई से की। गोरतलब रहे कि यह ऊँचाई हमारे हिसार शहर

से 20 गुना से भी अधिक है। इन्हें शिखर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय को ईडिन मार्केटेंटिंग फार्केडेशन से अनुमति लेनी पड़ी। मीलों तक सिवाय बर्फ और पत्थर की रस्तार से चलती हवाओं के बीच

से लगातार आगे चढ़ते रहना किसी आम आदमी के बस की बात प्रतीत नहीं होती। ठंड का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में चलते हुए भी ज़र्ज़ों में रुखी बोतलों में रुखा पानी जमने लगा। इतनी ऊँचाई पर ऑक्सीजन का स्तर घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो जाता है जोकि रेड लेवल जाने में आता है। ऐसे में हर कदम बढ़ाने के लिए कई बार सांस लेना पड़ता है।

शरीर की क्षमता कई गुना घट जाती है। इसलिए दल के कुछ लात्रों को सुरक्षा कारणों से बैस कम्प वापस लौटाना पड़ा और बाकी बचे हुए दल ने 9 घंटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया। 15 घंटों तक ट्रैक करके लौटे विजय दल जिसमें 3 लड़कियां भी शामिल थीं, ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक मार्ग
 दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6-8

60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की हवा और -15 डिग्री सेलिसयस तापमान के बीच माउंट यूनम की चढ़ाई कर लौटा एचएयू का दल

सिटी रिपोर्टर • शुरुआत 4700 मीटर की ऊंचाई से की। रास्ते में मीलों तक सिफ बफ और पत्थर थे। माइनस 15 डिग्री सेलिसयस तापमान व 60 किलोमीटर प्रति

घंटे की रफ्तार से चलती हवाओं के बीच लगातार आगे बढ़ना आसान नहीं भगर रोमांच से भरा जरूर रहा। ठड़ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर

में चलते हुए बैगों में रखी बोतलों में पानी जमने लगा। ऐसा कहना रहा एचएयू के 20 पर्वतारोही दल का। दल लाहोल घाटी की माउंट यूनम की चढ़ाई करके लौटा है।

बारालाचा से होते हुए लाहोल घाटी पहुंचा दल

यूनिवर्सिटी पहुंचने पर वीसी प्रो. केपी सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने दल को बधाई दी। यूनिवर्सिटी के माउंटेनियरिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की वादियों से गुजरते हुए लाहोल घाटी स्थित भरतपुर टेंट कलोनी पहुंचा।



20600 फीट ऊंची थी पहाड़ी

पहाड़ी 20600 फीट ऊंची थी। दल ने नौ घंटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया। दल में तीन लड़कियां भी शामिल थीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमृतजाला
दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 4-5



माउंट यूनम पर तिरंगा फहराते एचएयू के पर्वतारोही दल के सदस्य। - अमृतजाला

एचएयू के विद्यार्थियों ने माउंट यूनम पर की सफलतापूर्वक चढ़ाई

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहोल घाटी में स्थित माउंट यूनम (20600 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है। इस दल में तीन लड़कियां भी शामिल थीं। विश्वविद्यालय पहुंचने पर कुलपति प्रो. केपी सिंह और छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने दल को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के माउंटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. मुकेश सैनी ने बताया कि यह दल रोहतांग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहोल घाटी स्थित भरतपुर टैंट कॉलोनी पहुंचा, जहां से इस

अभियान की शुरुआत हुई। दल का प्रबंधन पीएचडी छात्र विक्रम धियल और मोहित चौधरी ने किया। उन्होंने अपने मिशन की शुरुआत 4700 मीटर की ऊंचाई से की। इस शिखर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय को इंडियन माउंटेनरिंग फार्डेशन से अनुमति लेनी पड़ी। यहां का तापमान माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तक रहता है। वहीं इस ऊंचाई पर ऑक्सीजन का स्तर घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो जाता है जो रेड लेवल जोन में आता है। ऐसी परिस्थितियों के कारण दल के कुछ छात्रों को सुरक्षा कारणों से बैस कैप वापस लौटना पड़ा और बाकी बचे हुए दल ने नींबटों तक लगातार चलते हुए शिखर पर तिरंगा और विश्वविद्यालय का ध्वज फहराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम जैनिक जागरूक

दिनांक 18-7-2017 पृष्ठ सं. 17 कॉलम 1-7

माइनस 15 डिग्री तापमान में एचएयू के पर्वतारोही दल ने माउंट यूनम पर लहराया तिरंगा

ज्ञानम संसद्धक दिवस : 15 अगस्त
की दुर्गम चार्दी, हाइड्रोलैंग्विंग का
खत्ता और चलाई गवली पर होकर
अभियान का एप्लाई के 20 बाल्टीय
पर्वतारोही दल ने लगातार पहुंची थीं
मिया माउंट यूनम (20,600 फैट)
की फाल कर दी जिसका मानवाकार
की विश्वविद्यालय पर्वतारोही पर
कुलस्ती थी, कोरो मिह ने इस की
बधाई दी। यो, मिह ने कहा कि
हाइड्रोलैंग्विंग विश्व के छात्र बनते
ही हैं जिनके हाथों के लिए और पूरे
विश्वकर की ऊँचाईयों पर चढ़ाय
लगाने के लिए। उन्होंने कहा कि
यही अभियान से जाती की विषय
विश्वविद्यालय में खड़े व जीवन की
पुर्णीयों का खड़ाव करने की प्रोत्ता
मिलती है।

इस दौरान डायर कल्पना विटेक
दा, वीरेन दीप उम्रिया थे। खास
मता है कि इस दूर में लगातार थीं इन
का बोल थी, वह अपने भाव में
आगे अनुभव करने के बाब था।



पर्वतारोही अभियान का काल्पनिक दूर का विश्वविद्यालय का छात्र बनते हुए।

पर्वतारोही के दल के सदस्यों की जुआन में सुनिश्चित की पूरी कठानी
बाइंडिंग ब्रेक के अलावा, यूनम में
काली है तो इन्हें पास द बायोस्पष्ट बाज
की मनमोहक विद्यों से पुरातते हुए लगातार
पहाड़ लिया जाना चाहूंट टैट कालीनी पूर्व, जहा
से सारांशिक अभियान की शुरुआत हुई। उन्होंने
ने स्मृति में लगाया द कुलनुम्बे तालों का बाटी
ताल के बालों पर्वती के झारों व कम की
भर्ती-भर्ती समझ और गाली में सुख ताल
व दीपक ताल की युक्तानुल ताल की उम्मे
जान में उत्तम। इस का अध्यन पीछी का उत्तम
प्रियांक विश्वविद्यालय की विद्यार्थी ने किया।
उन्होंने अपने नियम की शुरुआत 4700 मी.
की कालीनी की।

गैरिगाल द्वारा कि सामने लगाने
में 20 मुरानों से भी अधिक है। जिनमें को
नियर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय का
इंजिनियरिंग प्राइवेट से अनुमति लेनी
थी। ये ने लगातार दीप और बात के
अलावा और जन्मी भी कीज का न होना अपने
जाव में नोकों परों कारबत है। बायान 15 दिनों
से लगातार लगाने का अनावश्यक बोल्ड बैटे
की लगातार लगानी में लगाने का दूर व वर्षों से द
तीक्ष्ण लगातार लगाने की दूर विश्वविद्यालय पर
तिरंगा और विश्वविद्यालय का लग छात्रों।
उस से भी युक्तानुल दा, बैंकला बदान के जाव
नीदे बाजन आन। ये नीदे उत्तम हुए, वर्षों से द
तीक्ष्ण लगातार लगाने में लगाने का दूर व वर्षों से द
तीक्ष्ण लगातार लगानी के कालांग जन्मावाही से सहन
दा। यद्यपि दूर लगातार लगाने की विश्वविद्यालय की
नवी कीवीय विश्वविद्यालय की

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम इंटर कूमि
दिनांक ।.८.१.९. पृष्ठ सं. ।५ कॉलम ।.८

छक्कि पर्वतारोही दल ने माउंट यूनियन को किया घुटह

हिसार। छक्कि का 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहौल घाटी में स्थित माउंट यूनियन 20600 फीट पर सफलतापूर्वक घटाई करके लौटा है। विश्वविद्यालय पहुंचने पर विविध कुलपति प्रो. केपी सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने

■ लाहौल घाटी में 20 हजार 600 फुट ऊंची घोटी पर घटाई करके लौटा दल
दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि छक्कि के छात्र बनते ही हैं विजय होने के लिए और पूरे विश्वभर की ऊचाईयों में परंपरा लहराने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियानों से छात्रों की विषम परिस्थितियों में रहने व जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है।

विश्वविद्यालय के मार्केटेनिंग कलेक्टर के अध्यक्ष डॉ. जूकेश सैनी ने बताया कि यह दल शोहतोंग पास व बारालाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहौल घाटी स्थित भरतपुर टैट कलोनी पहुंचा। छात्रों ने इस मनाली से जर्स्पा व कूल्लू से लाहौल घाटी तक के बदलते पर्वतों के प्रकारों व क्रम को अली-भाति समझा और रास्ते में सूरज ताल व दीपक ताल की खूबसूरत शाति को अपने जहन में उतारा। दल का प्रबंधन पीएचडी छात्र विक्रम घियल और मोहित चौधरी ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम न०५.३४२
दिनांक ।।। ।।। ।।। ।।। ।।। ।।। ।।। ।।।
पृष्ठ सं. ।।। कॉलम ।।। ।।।

माऊंट यूनियन पर तिरंगा लहराकर हक्कुवि दल वापस लौटा

हिसार ।।। ।।। ।।। ।।। ।।। ।।।
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय का एक 20
सदस्यीय परिवारों द्वारा संबोधित
भारी में विषय माऊंट यूनियन (20000 और)
एवं सफलतापूर्वक चाहूँ करके लौटा
है। विश्वविद्यालय पृष्ठचौर पर
कुलपति दी.के.सी.सिंह ने बताया कि यह
दौड़िया ने इस बोर्ड का अध्यक्ष
कार्यालय के लिये आवश्यक
जूते बूझा दिया ने बताया कि यह
इस दौड़िया द्वारा कार्यालय
एवं भी सम्मोहक बदलियों से

विश्वविद्यालय के लिये बढ़ते ही हैं
विकास होने के लिए और नई
विकास की कारबाही में याचन
उत्तमता के लिए। उन्होंने कहा कि
ऐसे सम्पर्कों से ज्ञानों को विषय
परिवर्तितियों ने रखने व बोर्ड की
सुनीतियों का लाभने करने की
विजया लिया है। विश्वविद्यालय
के माऊंट-नियन्त्रित काल के अवधि
में, यूनियन द्वारा अपने बहुत
मुश्किलों के बहाने व इन
की खली-खली समझ और दावों
में सूख ताज व रीपक ताज की
सुखमूलत गतियों को अपने बहुत
में उत्तम। इन का प्रबोधन दीर्घकालीन
जूते विकास और किसी भी चीज़ का
ना होना अपने आप में रीमाच दीर्घ
काल के लिये विषय और धैर्य

जैविकी ने किया। उन्होंने अपने
विषय की सूखमूलत 4700मी. की
कंठबाई से कहा। गैरिततव रहे कि
वह ऊंचाई इमारे विषय लाते हैं
20 तुक्रा से भी अधिक है। इन्हें
बड़े विषय वर बहने के लिए
इंडियन मार्केट-नियन फार्म-इंडेस्ट्रीज़ से
अनुमति दी गयी थी। यीरों तक
विकास बढ़क और याचन के
अलावा और किसी भी चीज़ का
ना होना अपने आप में रीमाच दीर्घ
काल कराता है।

माऊंस 15 दिनों

में दीर्घ से लौट जाने में आता है।
ऐसे में इस बदल बदले के लिए
कई बार साम सेवा चढ़ता है। और
तरीके की समझ बड़े गुण बट
जाती है। इसी लिये इस के कुछ
बड़े विषय वर बहने के लिए
इंडियन मार्केट-नियन फार्म-इंडेस्ट्रीज़ से
अनुमति दी गयी थी। यीरों तक
विकास बढ़क और याचन के
अलावा और किसी भी चीज़ का
ना होना अपने आप में रीमाच दीर्घ
काल कराता है।

यह पहुँचता, किसी अनुभूति
से बदल नहीं होता। और इस से भी
मुश्किल का बोड्योग्राफ़ उदासी के
साथ नीचे लाइस लेता। नीचे
उत्तरे हुए, पक्षीलै व बड़ीलै
गामी में याचन एक बड़े का
आराम भी हाताहासिया के कारण
जानलेवा ही बहता है। यहाँ
बड़ी ताज टैक कारों सौंदर्य विषय
दल विषय तीन लंदकियों भी
सामिल है, ते यक भौतिकान
स्थापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिंह पत्र
दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-3

एचएयू का 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल माउंट यूनम की चढ़ाई कर लौटा

सिटी पत्र न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का एक 20 सदस्यीय पर्वतारोही दल लाहोल छाटी में स्थित मार्कट यूनम (20600 फीट) पर सफलतापूर्वक चढ़ाई करके लौटा है।

विश्वविद्यालय पहुंचने पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह तथा छात्र कल्याण निदेशक डा. डी.एम. दहिया ने दल को बधाई दी। प्रो. सिंह ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र बनते ही हैं विजय होने के लिए और पैर विश्वभर की कबींगीयों में परचम लहराने के लिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अधियानों से छात्रों को विषय परिवर्धनीय में रहने व जीवन की चुनौतियों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है।

विश्वविद्यालय के मार्केटेनरिंग क्लब के अध्यक्ष डा. मुकेश सिंह ने बताया कि यह दल गोहतां पास व बागलाचा पास की मनमोहक वादियों से गुजरते हुए लाहोल छाटी पर चढ़ाई पहुंचा। जहाँ से साहसिक अधियान की शुरुआत हुई। छात्रों ने इस मनाली से जसपांच कूल्लू से लाहोल छाटी तक के बदलते पवरों के प्रकारण व क्रम की भली-भाति समझा और यहाँ में सुरज तल व दीपक ताल की खूबसूरत शांति को अपने जहन में डुडाया। दल का प्रबन्धन पीछवड़ी छात्र विक्रम



हिसार। पर्वतारोही दल के सदस्य कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ।

विष्टल और महिला चार्चर्ज ने किया।

उन्होंने अपने मिशन की शुरुआत 4700मी. की ऊचाई से की। इसने बड़े शिखर पर चढ़ने के लिए विश्वविद्यालय को इंडियन मार्केटेनरिंग पार्टनरशिप से अनुमति लेनी पढ़ी। मीलों तक सिवाय बर्फ और पत्तर के अलावा और किसी भी चाचा का ना होना अपने आप में रोमाञ्च पैदा करता है। माझनम 15 डिग्री सैलिस्यम तापमान व 60 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलती हवाओं के बीच से लगातार आगे बढ़ते हुना किसी आम आदमी के बस की बात प्रतीत नहीं होती। ठड़ का अदाजा इस

बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर में चलते हुए भी बैगों में रखी बोतलों में रखा पानी जमने लगा। इसनी ऊचाई पर और सीजन का स्तर घटकर 10 प्रतिशत से भी कम हो जाता है जोकि रेड लेवल जाने में आता है। ऐसे में हर कदम बढ़ने के लिए कई बार सास लेना पड़ता है। नीचे उतरते हुए पत्तरोंले व बफ्फोंले गम्ती में महज एक घंटे का आरम्भ भी हृदयोर्धमण्य के कारण जानलेवा हो सकता था। पदार्थ घटों तक टैक करके लौट विजय दल जिसमें तीन लड़ाकियां भी शामिल थीं, ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अभिभावता
दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

‘भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग’ विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी कल से संगोष्ठी में देश के विभिन्न विवि के लगभग 69 कुलपति लेंगे हिस्सा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितंबर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का

आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं, उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों

के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2016 से देश के कृषि विवि की रैंकिंग शुरू की है।

एनआईआरएफ में तीन साल (पुरस्कार वर्ष को छोड़कर), जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के



हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।

पांच समूहों में वर्गीकृत किया फ्रेमवर्क

वीसी ने बताया कि फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है और इन समूहों को निश्चित महत्व दिया जाता है। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टेसिज, ग्रेजुएशन आउटकम, आठटरीच एंड इनकलूसीवीटी तथा प्रसेप्शन शामिल हैं। इस रैंकिंग में बढ़े पैमाने पर संसाधन और व्यक्तिगत प्रदर्शन का अंकलन किया जाता है। संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे और भविष्य के लिए रूपरेखा तैयार की जाएगी।

विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
 दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 6-8

एचएयू में कल 69 कुलपति करेंगे बैठक रैंकिंग मानकों में बदलाव पर होगी चर्चा

जागरण संचादयाता, हिसार : एचएयू द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितंबर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालय के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालय को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्य जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं, उनको भी शामिल करने तथा एनआइआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालय के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी। गैरतलब है कि मानव



एचएयू का मुख्य द्वार।

- संगोष्ठी में पहली बार देश से एचएयू में इतने विवि के कुलपति करेंगे प्रतिभाग

5 समूहों में बांटा जाता है फ्रेमवर्क को

एनआइआरएफ में विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थानों के सुवार्स संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है। फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों

के तहत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिसॉर्सिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टेशन्ज, ग्रेजुएशन आ़क्टकम, आ़क्टरीच एंड इन्कलूसीवीटी तथा पुरसेप्शन शामिल हैं।

संसाधन विकास मंत्रालय ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है, जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 2016

से देश के कृषि विश्वविद्यालय की रैंकिंग शुरू की है। एनआइआरएफ में तीन साल जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब के सारी
दिनांक 18.9.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7-8

देश के 69 विश्वविद्यालयों के कुलपति हिसार में बनाएंगे रैंकिंग पर रणनीति

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो):
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि
विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन
एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज
एसोसिएशन के सहयोग से 19-20
सितम्बर को भारत में कृषि
विश्वविद्यालयों की रैंकिंग पर 2
दिवसीय गण्डीय संगोष्ठी का आयोजन
किया जाएगा।

इसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों
के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।
संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों
के कुलपति अपना दृष्टिकोण सांझा
करेंगे तथा भविष्य के लिए रूपरेखा
तैयार की जाएगी। विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रौ. के.पी. सिंह ने बताया
कि इस गण्डीय संगोष्ठी में देशभर के
कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के
लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे
बीज उत्पादन, कौशल विकास और
सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए
गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं
मिलते हैं। उनको भी शामिल करने
तथा एन.आई.आर.एफ. और
आई.सी.ए.आर. रैंकिंग के बीच
तालमेल स्थापित करने और बहुत
व्यापक परिषेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों
के योगदान को मान्यता देने आदि
विषयों पर भी विस्तार से चर्चा
की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दृष्टि . भूग्र
दिनांक 18. 9. 2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-3

हक्कवि में रैंकिंग को लेकर राष्ट्रीय संगोष्ठी कल

हिसार। हक्कवि द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितंबर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विवि के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं। उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी। गैरतलब है कि केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय एमएचआरडी ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क एनआईआरएफ पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है। जबकि आईसीएआर ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में तीन साल जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति दृष्टिकोण सांझा करेंगे व भविष्य की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नम्र: छोड़.....
दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 6.8.....

कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हक्किति में 19 से

हिसार/17 सितंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितम्बर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैंकिंग के बीच तालमेल स्थापित करने और बहुत व्यापक परिप्रेक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को

मान्यता देने आदि विषयों पर चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में तीन साल (पुरस्कार वर्ष को छोड़कर) जबकि आईसीएआर रैंकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फार्मेसी संस्थानों जैसे शिक्षण संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है।

फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है और इन समूहों को निश्चित महत्व दिया जाता है। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिसॉसिज, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टेसिज, ग्रेजुएशन आऊटटकम, आक्टरीच एंड इनकलूसीबीटी तथा परसेपशन शामिल हैं। इस रैंकिंग में बड़े पैमाने पर संसाधन और व्यक्तिगत प्रदर्शन का आंकलन किया जाता है। परन्तु कई बार कृषि विश्वविद्यालयों के कई महत्वपूर्ण पहलुओं और भिन्न-भिन्न तरह के योगदानों जैसे कृषि विज्ञान केंद्र, (केवीके), बीज उत्पादन और कृषि विश्वविद्यालयों की प्रौद्योगिकी के योगदान, विश्वविद्यालय प्रकाशन व प्रथम पर्याप्त प्रदर्शन जैसे अन्य कार्यों को सम्मलित नहीं किया जाता है। संगोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे तथा भविष्य के लिए रूपरेखा तैयार की जायेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम सिप्री ५८
दिनांक १७.९.२०१९ पृष्ठ सं. २ कॉलम ५-८

हकूमि में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर संगोष्ठी 19 से

संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इडियन एप्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज एंड एसेसमेंट के संबोध से 19-20 सितम्बर को भालू में कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग विषय पर दो दिवसीय ग्राहीय सम्पोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस सम्पोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति भाग लेंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. सिंह ने बताया कि इस ग्राहीय सम्पोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैंक करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण कार्यों जैसे बीज उत्पादन, कोशल विकास और समाजिक-आर्थिक लाभ के लिए किए गए योगदान को रैंकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीआर रैंकिंग के बीच तालिमेत स्थापित करने और बहुत व्यापक प्रोग्राम में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की जाएगी।



उल्लेखनीय है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैंक करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फैम्बर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया हुआ है जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीआर) ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में तीन साल

(पुरुषकार वर्ष को छोड़कर) जबकि आईसीआर रैंकिंग में एक साल के बाब्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फैम्बर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रैक्टिशन संस्थानों, फार्मेसी संस्थानों जैसे रिक्षण संस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए इन संस्थानों

में अलग-अलग रैंकिंग व्यवस्था है। फ्रैम्बर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्भूत पार्च सम्पूर्ण में वर्गीकृत किया गया है और इन सम्पूर्ण की निश्चित महत्व दिया जाता है। इन पार्च सम्पूर्ण में टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सेज, रिसर्च एंड प्रैफेशनल प्रैक्टीसेज, ग्रेजुएशन आर्कटिक्स, आर्कटोरीच एंड इनकल्यूशन्सीटी तथा परसेप्शन सामिल है। इस रैंकिंग में बड़े पैमाने पर संसाधन और व्यवस्थाएँ का आकलन किया जाता है। परन्तु कई बार कृषि विश्वविद्यालयों के कई महत्वपूर्ण पहलुओं और फिन-फिन तड़ के योगदान जैसे कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), बीज उत्पादन और कृषि विश्वविद्यालयों की प्रौद्योगिकी के योगदान, विश्वविद्यालय प्रकाशन व प्रध्याय पत्रिका प्रदर्शन जैसे अन्य कार्यों को सम्पादित नहीं किया जाता है।

सम्पोष्ठी में रैंकिंग पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति अपना दृष्टिकोण सज्जा करेंगे तथा भविष्य के लिए रुपरेखा तैयार की जाएंगी।

चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम

~~ईलोन्सा~~

दिनांक 17.9.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 6.8

भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैकिंग विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 19 से



हिसार : 17 सितम्बर चौथी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इंडियन स्टॉकल्चरल यूनिवर्सिटी एसोसिएशन के सहयोग से 19-20 सितम्बर को भारत में कृषि विश्वविद्यालयों की रैकिंग विषय पर दो

दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हकूमि में होगा राष्ट्रीय का आयोजन किया संगोष्ठी का आयोजन : जाएगा। इस संगोष्ठी में प्रो. के पी सिंह

देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के लगभग 69 कुलपति आदि विधायें पर भी विस्तार से चर्चा की जाएंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. पी. डेशप्रेण्य ने यतापा कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैकिंग सिंह ने यतापा कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर के कृषि विश्वविद्यालयों को रैकिंग करने के लिए उनके अन्य महत्वपूर्ण

कार्यों वैसे चौब डायरेक्टर, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक साध के लिए किए गए योगदान को रैकिंग में अंक नहीं मिलते हैं उनको भी शामिल करने तथा एनआईआरएफ और आईसीएआर रैकिंग

के बीच तालमेत व्यापक परिवेष्य में कृषि विश्वविद्यालयों के योगदान को मान्यता देने

आदि विधायें पर भी विस्तार से चर्चा की जाएंगी। उक्तकर्त्तव्य है कि मानव संसाधन विकास विभाग (एगएचआरडी), भारत सरकार ने उच्च शिक्षा संस्थानों को रैकिंग करने के लिए वेश्वाल इंस्टीट्यूशनल रैकिंग

फेमवर्क (एनआईआरएफ) पद्धति को 2015 से अपनाया दूजा है जबकि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2016 से देश के कृषि विश्वविद्यालयों की रैकिंग शुरू की है। एनआईआरएफ में गौन साल (पुरस्कार वर्ष को छोड़कर)

जबकि आईसीएआर रैकिंग में एक साल के कार्यों के प्रदर्शन के विश्लेषण पर रेकिंग नियंत्रित की जाती है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैकिंग फेमवर्क (एनआईआरएफ) में विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग संस्थानों, प्रबंधन संस्थानों, फर्मेंसी संस्थानों वैसे शिक्षण संस्थानों के मुख्य संचालन के लिए इन संस्थानों में अलग-अलग रैकिंग व्यवस्था है। फ्रेमवर्क को विभिन्न मापदंडों के अंतर्भूत पांच समूहों में वर्गीकृत किया गया है और इन समूहों को निश्चित भावत्व दिया जाता है। इन पांच समूहों में टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सिज, रिसर्च एंड प्रॉफेशनल प्रैक्टेसिल आदि।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला
दिनांक 1.8.-9.2.2019... पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-8

खेल

बेसिक साइंस कॉलेज और एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज ने जीते मैच

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में मंगलवार से इंटर कॉलेज क्रिकेट चैंपियनशिप शुरू हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व रणजी खिलाड़ी गीताराम गोयल ने किया। पहले दिन दो मैच खेले गए। पहले मुकाबले में बेसिक साइंस कॉलेज ने एग्रीकल्चर कॉलेज कौल को हराया। वहीं दूसरे मुकाबले में एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज ने डेयरी साइंस कॉलेज लुवास को मात दी।

बुधवार को एग्रीकल्चर कॉलेज हिसार व हॉटिकल्चर कॉलेज और वेटरनेरी कॉलेज लुवास व कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर बाबल के बीच होगा। इस मौके पर डॉ. सुशील लेधां, डॉ. बलजीत गिरधर, डॉ. मनेंद्र, डॉ. मुकेश दुहन, ओपी



एचएयू में क्रिकेट प्रतियोगिता के दौरान गेंद को हिट करने का प्रयास करता एग्रीकल्चर कॉलेज कौल की टीम का बल्लेबाज। - अमर उजाला

भादू, रमेश चौधरी, सुंदरपाल, निर्मल सिंह आदि मौजूद रहे। कैप्टन की धमाकेदार पारी ने निर्भाऊ जीत में अहम भूमिका: पहला मुकाबला बेसिक साइंस कॉलेज और एग्रीकल्चर कॉलेज कौल के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बेसिक साइंस कॉलेज की टीम ने निर्धारित 20

गेंदबाजों की बदौलत जीता एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज दूसरा मुकाबला एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग कॉलेज एचएयू व डेयरी साइंस कॉलेज लुवास के बीच खेला गया। डेयरी साइंस कॉलेज की टीम ने पहले बल्लेबाजी की। मगर टीम का कोई भी खिलाड़ी बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर सका और पूरी टीम मात्र 37 रन के स्कोर पर पैवेलियन लौट गई। इंजीनियरिंग कॉलेज के गेंदबाज जसमीत सिंह ने पांच रन देकर तीन विकेट और कहींया ने जौ रन देकर तीन विकेट लिए। बाद में बल्लेबाजी करने उतरी इंजीनियरिंग कॉलेज ने यह स्कोर बिना कोई विकेट खोकर मात्र 3.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। टीम के बल्लेबाज सुमित ने 12 और अजय ने 19 रन बनाए।

ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाए। इस दौरान टीम के कैप्टन संदीप ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। संदीप ने 49 गेंदों में 76 रन बनाए। बल्लेबाज सतीश ने 28 गेंदों में 27 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदार पारी के कारण ही टीम एक बढ़िया स्कोर बना सकी। कौल की तरफ से गेंदबाज शेर्हर ने 20 रन देकर तीन और योगेश ने 31 रन देकर दो विकेट हासिल किए। देकर दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कौल की पूरी टीम 95 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के बल्लेबाज अंकित ने सर्वाधिक 14 रन बनाए। वहीं गेंदबाज सतीश ने शानदार बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी का भी प्रदर्शन किया। सतीश ने तीन ओवर में 13 रन देकर चार विकेट और अजय ने दो ओवर में 18 रन देकर दो विकेट हासिल किए।